3

ईमानदारी का इनाम

भ्रष्टाचार मुक्त भारत - विकसित भारत

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

ईमानदारी का इनाम

पार्क में
राजू तुम कभी अपनी गेंद लेकर नहीं आते हो, आज से हम तुम्हें नहीं खिलाएंगे।
अब तुम तभी खेलने आना जब अपना गेंद बल्ला लेकर आओगे।
राजू रुआंसा सा होकर घर आ गया। वह कितनी बार अपने पापा से खिलौनों की मांग कर चुका था।
सारे बच्चे कितने अच्छे खिलौनों से खेलते हैं।
कम से कम मुझे एक गेंद बल्ला दिला दो।

अच्छा बेटा। कुछ दिन और रुक जाओ। मैं तुम्हारे लिए गेंद बल्ला ले आऊँगा।
क्या पापा, मुझे तो गेंद बल्ला अभी चाहिए।
राजू के आंसू निकल आए
बेटा धीरज रखो, हम तुम्हारे लिए एक गेंद बल्ला क्या ढेर सारे खिलौने ला देंगे।
अगली शाम
राजू की दृष्टि बेंच के पास किसी चीज पर पड़ी।
अरे ! यह क्या है? इतनी सुंदर गेंद किसकी है?
उसने आस पास देखा। पर उसे वहां कोई नहीं दिखा।

क्यों न मैं इसे अपने और अपने छोटे भाई काजू के लिए ले चलूं।
पापा देखो हमारी गेंद।
यह तो बहुत सुंदर है. यह तुम्हें किसने लाकर दी?
राजू भैया ने।
राजू यह तुम्हें कहां से मिली? सच-सच बताओ।
पापा मैंने कोई चोरी नहीं करी, यह मुझे पार्क में मिली थी।

मैंने आसपास देख कर यह पता लगाने की कोशिश भी करी कि कोई इसे ढूंढ तो नहीं रहा।
बेटा वो ठीक है, लेकिन यह किसी न किसी बच्चे की तो है।
सोचो वह बच्चा कितना दुखी होगा। दूसरे की चीज़ ऐसे अपने पास रखना उचित नहीं है।
पापा, तो हमें क्या करना चाहिए? हमें कैसे पता लगेगा कि यह गेंद किसकी है?
हमें सोसाइटी के कार्यालय में इसे जमा करा देना चाहिए। उसका ऑफिस पार्क में ही है।

कभी ना कभी वह बच्चा वहां अवश्य आएगा।
ठीक है पापा।
सोसाइटी के ऑफिस में
आपकी ईमानदारी के चर्चे पूरी सोसाइटी में है। वरना इतनी छोटी सी चीज के लिए कौन परवाह करता है।
सचिव
मैं सूचना पट्ट पर लिख देता हूँ, जिस किसी की होगी हम उसे दे देंगे।
सूचना पट्ट
धन्यवाद आपने हमारे सिर से बोझ उतार दिया।

अगली शाम
राजू, तुम घर में क्यों बैठे हो? इस समय तो तुम्हें पार्क में जाकर खेलना चाहिए।
कोई बच्चा मुझे नहीं खिलाता।
कोई बात नहीं, तुम वहां दौड़ का अभ्यास तो कर ही सकते हो।
याद रहे, बच्चों को जितना ध्यान पढ़ने लिखने में देना चाहिए उतना ही खेलकूद पर भी।

उस से शरीर स्वस्थ होता है। शरीर स्वस्थ रहेगा तो मस्तिष्क भी स्वस्थ होगा।
तभी तुम अच्छी तरह पढ़ाई भी कर सकोगे।
राजू हर शाम दौड़ का अभ्यास करने लगा
महीने भर बाद
राजू ,आज तुम कुछ भूल तो नहीं रहे?
नहीं मां।

तो तुम्हारा बस्ता कहां है?
अरे माँ, आज हमारे स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता है।
कम से कम टिफिन तो लेता जा।
चिंता मत करो माँ, नाश्ता भी स्कूल में ही मिलेगा।
उसी शाम
पापा, यह देखो मेरी ट्रॉफी। मैं दौड़ में प्रथम आया हूं।
शाबाश, राजू हमें तुम पर गर्व है।
इस पर आपका भी अधिकार है पापा। आप मुझे दौड़ के अभ्यास की सलाह नहीं देते तो मैं यह पुरस्कार कैसे जीत पाता।

तभी
सोसाइटी में रविवार को गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया जा रहा है।
अरे वाह! क्षेत्र के विधायक जी मुख्य अतिथि हैं। हम अवश्य चलेंगे।
अब हमारे मुख्य अतिथि एक विशेष पुरस्कार देना चाहते हैं।
कॉलोनी के सबसे ईमानदार निवासी होने का पुरस्कार और उसके लिए मैं राजू और उसके पिताजी को मंच पर आमंत्रित करता हूं।
मुख्य अतिथि एक गिफ्ट हैंपर राजू को देते हैं, जिसमे गेंद बल्ला भी होता है।

ऐसे ही बच्चे बड़े होकर ईमानदार नागरिक बनेंगे और देश को प्रगति के मार्ग पर ले जायेंगे।
बच्चों को ऐसी शिक्षा देने वाले माता-पिता भी प्रशंसा के पात्र हैं। उन्हें मेरा नमन है।
तालियां
राजू की ख़ुशी का कोई ठिकाना नहीं था।
उसे ईमानदारी का पुरस्कार तो मिला ही, उससे भी अधिक ख़ुशी उसे अपने पिताजी के लिए थी, जिनकी सीख से उसे 2 -2 इनाम मिले।
वाह ! अब मैं अपने दोस्तों के साथ भी खेल सकता हूँ ।
हमें माफ़ कर दो राजू, हमें तुम्हारे साथ ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए था।
साथ ही हमने ये भी सीखा कि हमें हमेशा ईमानदार बने रहना चाहिए।

ईमानदारी का महत्त्व

- ईमानदार होने का अर्थ है सत्य का मार्ग अपनाना। यह व्यक्तिगत एवं सामाजिक आचरण की महत्ता को दर्शाता है।
- ईमानदारी नैतिक दृढ़ता प्रदान करती है।
- ईमानदारी हमें सत्य बोलने का साहस एवं आत्मविश्वास देती है।
- ईमानदारी की नींव पर ही भरोसेमंद और मज़बूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं।
- आइये, हम ईमानदारी का रास्ता चुनें और अपने जीवन को सार्थक एवं विश्वसनीय बनाए।
- आइये, हम बच्चो में भी ईमानदार बनने के गुण पर जोर दें, जिससे भविष्य में वे देश के अच्छे नागरिक बन सकें।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

सतर्कता भवन, ए-ब्लॉक, जीपीओ कॉम्प्लेक्स, आईएनए, नई दिल्ली - 110023

www.cvc.gov.in

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India के सहयोग से प्रकाशित

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मुद्रित